RAMANUJAN COLLEGE LIBRARY

(UNIVERSITY OF DELHI)

June 2025

NEWSPAPER CLIPPINGS

Times of india **17/June /2025**

UG admission process in DU begins today

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: The undergraduate ad- mission process for the 2025-26 acade- mic session at Delhi University (DU) is set to begin today. The DU administra- tion will officially announce the ad- mission framework and schedule on Tuesday, following multiple delays.

The admission process will conti-nue to use the Common Seat Allocation System (CSAS) and will be conducted in two phases. In the first phase, candi- dates must submit their personal deta- ils, Class 12 marks, and CUET (UG) app- lication number. The second phase will begin after the CUET UG results, ex- pected in the first week of July, when students will need to indicate their pre- ferences for courses and colleges.

लेडी श्रीराम कॉलेज में गीता पर ऑनलाइन कोर्स शुरू

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता । दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध लेडी श्रीराम कॉलेज फॉर विमेन (एलएसआर) में सोमवार को समर स्कूल 2025 के तहत दूसरे प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम 'टाइमलेस लेसंस - गीता एंड साइकोलॉजिकल इनसाइट्स' का शुभारंभ हुआ।

'विरासतः टैपेस्ट्रीज ऑफ इंडियन कल्चर' शीर्षक के अंतर्गत आयोजित यह 10 दिवसीय ऑनलाइन कोर्स 16 जून से 26 जून तक चलेगा। इसमें भाग लेने वाले छात्र गीता के शाश्वत संदेशों के जरिए आत्मचिंतन और मानसिक स्वास्थ्य के गूढ़ सूत्रों को समझेंगे।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए कॉलेज की कार्यवाहक प्राचार्य प्रो. कनिका आहूजा ने गीता की दार्शनिक परंपरा और वर्तमान समय में उसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता पूर्व राजनयिक पवन वर्मा ने कहा कि सांस्कृतिक विरासत को अपनाए बिना हम उपनिवेशवाद की मानसिकता से मुक्त नहीं हो सकते।

विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में आई प्रो. उर्मी विश्वास ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण दुनिया के पहले पीयर काउंसलर थे।

डीयू: यूजी के 79 प्रोग्राम में 85 हजार सीटों पर दाखिले के लिए आज पोर्टल होगा लॉन्च

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2025-26 में स्नातक प्रोग्राम में दाखिले का इंतजार आज खत्म होने जा रहा है। डीयू के 69 कॉलेजों में स्नातक के करीब 79 प्रोग्राम की करीब 85 हजार सीटों के लिए मंगलवार को दाखिले के पहले चरण के तहत (कॉमन सीट एलोकेशन पोर्टल) लॉन्च नहीं किया जाएगा। सिस्टम-सीएसएएस कुलपति प्रो. योगेश सिंह मंगलवार को यूजी दाखिले की घोषणा करेंगे। इसके साथ ही दाखिला प्रक्रिया व दाखिला नीतियों व शेड्यूल की जानकारी प्रेस कांफ्रेंस से दी जाएगी। डीयू के नियमित कॉलेजों में बीते साल की तरह इस साल भी कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम (सीएसएएस) के माध्यम से दाखिले होंगे। इसमें सीयूईटी स्कोर के माध्यम से छात्रों को कॉलेज की सीट का आवंटन किया जाएगा। मंगलवार को शुरू होने वाले पहले चरण के तहत उम्मीदवारों को अपने व्यक्तिगत. विवरण और बारहवीं कक्षा में प्राप्त अंकों को भरना है।

सीएसएएस पंजीकरण प्रक्रिया में सीयूईटी यूजी की आवेदन संख्या को अनिवार्य रूप से भरना होगा। इससे डीयू पोर्टल पर उम्मीदवार का नाम, हस्ताक्षर, सीयूईटी यूजी पोर्टल पर फोटो स्वतः अपलोड हो जाएगी। इसमें छात्रों को एक ईमेल आईडी और मोबाइल नंबर भी देना होगा। रिजल्ट आने का बाद शुरू होगा। इस दाखिले का दूसरा चरण सीयूईटी चरण में छात्रों को सीएसएएस डैशबोर्ड पर लॉग इन करके अपने पाठ्यक्रमों की वरीयता भरने का काम पंजी पूरा करना होगा। इस बार स्नातक शैक्षणिक सत्र शुरू होने में भी देरी h शुरू हो रही है। इस कारण से आ पाठ्यक्रम में दाखिले की प्रक्रिया लेट पर आ होगी। बीते साल मई के अंत में पं आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई थी। लेकिन इस साल अब तक छात्र डीयू के स्नातक प्रोग्राम में दाखिला प्रक्रिया शुरू होने का इंतजार कर रहे थे। पहले दाखिला प्रक्रिया बीते सप्ताह तकनीकी कारणों से इसे शुरू नहीं शुरू करने की तैयारी थी लेकिन कुछ किया जा सका।

राष्ट्रीय दैनिक जागरण 18/june /2025

पोर्टल पर अपग्रेड के बाद सीधे स्वीकृत हो जाएगी सीट

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय में स्नातक प्रवेश की प्रक्रिया मंगलवार से शुरू हो गई। डीयू के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कामन सीट एलोकेशन सिस्टम (सीएसएएस) पोर्टल लांच करते हुए स्नातक प्रवेश के लिए इन्फार्मेशन बुलेटिन जारी किया। उन्होंने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया के लिए कुछ नियम बदले गए हैं। अब सीट आवंटित होने पर अपग्रेड का विकल्प चुनने के बाद छात्र को दोबारा सीट आवंटित होगी तो वह स्वतः स्वीकृत यानी आटो एक्सेप्ट हो जाएगी। प्रवेश के लिए बना टाई ब्रेकर के नियम में भी थोड़ा बदलाव किया गया है। क्लैट के अंकों के आधार पर छात्रों को प्रवेश दिए जाएंगे। स्नातकोत्तर, बीटेक और स्कूल आफ ओपन लर्निंग (एसओएल) में प्रवेश पहले ही शुरू हो चुके हैं।

कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने बताया कि छात्र सीट आवंटन और अपग्रेड का विकल्प चुनने के बाद स्वीकृत करना भूल जाते थे। ऐसे में उनका आवंटन छूट जाता था। इसलिए यह बदलाव किया गया है। आटो एक्सेप्ट होने के बाद कालेज में उनकी जानकारी पहुंच जाएगी। उन्होंने बताया कि सीयूईटी में समान अंक होने पर छात्रों के 12वीं के अंकों के आधार पर प्रवेश दिया जाता है। अगर 12वीं के अंक समान हैं तो उम्र देखी जाती है, लेकिन पिछले वर्ष अंक, उम्र समान होने पर नाम के पहले अक्षर से फैसले लिए गए।

★ डीयू में स्नातक और पांच वर्षीय विधि कार्यक्रम में प्रवेश हुए शुरू

> स्नातक प्रवेश के लिए कुलपति ने लांच किया सीएसएएस पोर्टल

ऐसी स्थिति से बचने के लिए अब 10वीं के अंकों को टाई ब्रेकर में उपयोग किया जाएगा। डैशबोर्ड पर छात्र को वही विषय दिखाई देंगे, जिसके लिए वे पात्र हैं। अन्य जानकारियां भी उन्हें सिस्टम दे देगा। इस अवसर पर डीन आफ कालेजेज प्रो. बलराम पाणी, दक्षिणी परिसर के निदेशक प्रो. श्री प्रकाश सिंह, एसओएल की निदेशक प्रो. पायल मागो, रजिस्ट्रार डा. विकास गुप्ता, डीयू पीआरओ एवं कल्चर काउंसिल के चेयरपर्सन अनूप लाठर और डीन एडमिशन प्रो. हनीत गांधी भी उपस्थित रहे।

एडमिशन शाखा ने छात्रों को दाखिले में सहायता के लिए नौ टेलीफोन हेल्पलाइन, ईमेल सुविधा (ug@admission.du.ac.in, pg@admission.du.ac.in) और चैटबाट सुविधा स्थापित की है। इसी तरह, एसओएल ने भी दो एडमिशन हेल्प सेंटर स्थापित किए हैं, जो 22 जून से फार्म भरने में उम्मीदवारों की सहायता के लिए काम करेंगे।

71,624 स्नातक की सीटों पर होगा प्रवेश : डीन एडमिशन प्रो. हनीत गांधी ने बताया कि डीयू अपने 69 कालेज के माध्यम से 79 स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश देगा। डीयू 186 बीए प्रोग्राम का संयोजन पेश करता है। यूजी दाखिलों के लिए विश्वविद्यालय के 69 कालेज में 71,624 सीटों की पेशकश की गई है। विद्यार्थियों के लिए जरूरी सलाह दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से सभी भावी विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि वे प्रवेश से संबंधित सभी अपडेट, प्रोग्राम और दिशानिर्देशों के लिए नियमित रूप से विश्वविद्यालय की एडमिशन वेबसाइट और उनके डैशबोर्ड की जांच करते रहें। इसके अलावा उन्हें केवल डीयू की आधिकारिक वेबसाइट (www.admission.uod.ac.in) पर प्रकाशित जानकारी पर ही भरोसा करना चाहिए।

पीजी पाठ्यक्रम व बीटेक में दाखिले के लिए सीटों का आवंटन शुरू

पीजी प्रोग्राम की करीब 13,500 सीटों के लिए छात्र आवंटित सीट को 20 जून तक स्वीकार कर सकेंगे |

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2025-26 में स्नातकोत्तर,
तीन बीटेक प्रोग्राम में दाखिले के लिए सीटों का आवंटन मंगलवार से शुरू हो गया। स्नातकोत्तर प्रोग्राम की करीब 13,500 सीटों के लिए पहले राउंड में 11,314 सीटों का आवंटन किया गया। सीट आवंटन के दो घंटे के भीतर ही 1967 छात्रों ने अपनी सीट को स्वीकार कर लिया। छात्र आवंटित सीट 20 जून को स्वीकार कर सकते हैं। इसके साथ ही डीयू ने पीजी व बीटेक प्रोग्राम का दाखिला शेड्यूल भी जारी कर दिया है।

11,314

सीटों का आवंटन पहले राउंड में

स्नातकोत्तर प्रोग्राम व बीटेक प्रोग्राम में दाखिले के लिए 20 जून शाम 4:59 बजे तक सीट स्वीकार करने के बाद 17 जून से 21 जून तक कॉलेज विभाग आवेदन का सत्यापन कर उसे मंजूरी देंगे। इसके बाद फीस का भुगतान 22 जून शाम 4:59 बजे तक किया जा सकेगा। सीट आवंटन का दूसरा राउंड 24 जून शाम पांच बजे से शुरू होगा। इस राउंड के तहत छात्रों को सीट स्वीकार करने के लिए 24 जून से 27 जून शाम 4:59 बजे तक का समय मिलेगा। कॉलेज-विभाग आवेदन के सत्यापन को 24 जून से 28 जून तक मंजूरी देंगे। इस राउंड के आधार पर छात्र 29 जून 4:59 बजे तक फीस का - भुगतान कर सकेंगे। दो राउंड संपन्न होने के बाद छात्रों के लिए दो जुलाई से चार जुलाई तक मिड एंट्री का विकल्प खोला जाएगा। इसके लिए छात्र शुल्क का भुगतान करके मिड एंट्री में प्रवेश कर सकते हैं।

जो छात्र पहले आवेदन करने में असफल रहे और एक से दो दिन में शुरू होंगे अब वह दाखिले की चाह रखते हैं तो 'डीयू के नॉन कॉलिजिएयेट वूमेंस वह इस मिड एंट्री का लाभ ले सकते हैं। एजुकेशन बोर्ड (एनसीवेब) में तीसरा राउंड, स्पोर्ट्स कोटा व वार्ड कोटे स्नातक के दाखिला प्रक्रिया की के दाखिले और एमएफए, एम म्यूजिक, शुरुआत नहीं हुई है। यहां दाखिला बीपीईडी, एमपीईडी के लिए सीट का प्रक्रिया शुरू होने में अभी एक से दो आवंटन 8 जुलाई को किया जाएगा। दिन का समय लगेगा। दिल्ली निवासी सीट स्वीकार करने के लिए छात्रों को लड़कियां यहां दाखिले के लिए आठ जुलाई से दस जुलाई तक का समय आवेदन कर सकती हैं। यहां बीए व मिलेगा। कॉलेज व विभाग आवेदन के बीकॉम प्रोग्राम में दाखिला सीयूईटी सत्यापन को 8 जुलाई से 11 जुलाई तक स्कोर से नहीं बल्कि कट ऑफ के आधार पर होता है। जबकि यहां पीजी 'प्रोग्राम के लिए दाखिला प्रक्रिया शुरू मंजूरी देंगे। वहीं, छात्र इस राउंड के तहत हो चुकी है। फीस का भुगतान 12 जुलाई शाम 4:59 बजे तक कर सकेंगे। • जामिया ने दाखिले के लिए आयोजित गाम किए घोषित।

अमर उजाला 18/june /2025

डीयू में कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम का पहला चरण शुरू

पंजीकरण के समय देनी होगी सक्रिय ईमेल आईडी और मोबाइल नंबर

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। डीयू में स्नातक के दाखिले के लिए कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम (सीएसएएस) का पहला चरण शुरू किया गया है। यह दो चरणों में बांटा गया है। पहले चरण के तहत उम्मीदवारों को अपने व्यक्तिगत विवरण और बारहवीं कक्षा में प्राप्त अंकों को भरना है।

सीएसएएस पंजीकरण प्रक्रिया में सीयूईटी यूजी की आवेदन संख्या को अनिवार्य रूप से भरना होगा। इससे डीयू पोर्टल पर उम्मीदवार का नाम, हस्ताक्षर, सीयूईटी यूजी पोर्टल पर अपलोड की गई फोटो स्वतः अपलोड हो जाएगी। एक ईमेल आईडी और मोबाइल नंबर भी देना होगा।

एक बार भरा गया ईमेल आईडी, मोबाइल नंबर और बैंक खाता विवरण को भी बदला नहीं जा सकेगा। पंजीकरण प्रक्रिया के लिए अनारक्षित श्रेणी, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस श्रेणी दाखिले के लिए बनाए गए सहायता केंद्र के उम्मीदवारों को पंजीकरण शुल्क के रूप में 250 रुपये और एससी, एसटी व पीडब्ल्यूडी उम्मीदवारों को पंजीकरण शुल्क के रूप में 100 रुपये का भुगतान करना होगा। एक्सट्रा करिकुलर एक्टिविटी (ईसीए) व स्पोर्ट्स कोटे के दाखिले के लिए अतिरिक्त 100 रुपये का भुगतान करना होगा।

दाखिले के लिए इन बातों का ध्यान रखें छात्र

- छात्रों को सभी यूजी प्रोग्राम के लिए ugadmission.uod.ac.in से आवेदन करना होगा।
- छात्र को व्यक्तिगत विवरण जैसे माता-पिता का नाम, श्रेणी, उपश्रेणी, जाति, सुपरन्यूमैरेरी कोटा, लिंग, ईमेल आईडी, मोबाइल नंबर और बैंक खाता विवरण भरना होगा। फॉर्म जमा होने के बाद इन विवरणों को बदला नहीं जा सकेगा।'
- सीट अपग्रेड और फ्रीज करने का विकल्प भी मिलेगा
- अपग्रेड होने वाले उम्मीदवार की इस बार सीट ऑटो स्वीकार होगी।
- आवंटित सीट पर प्रवेश लेने पर और आगे बढ़ने के लिए उसे डैशबोर्ड से सीट को फ्रीज करना होगा।
- फ्रीज का चयन करने पर उम्मीदवार को अपग्रेड करने का विकल्प चुनने की अनुमति नहीं होगी।
- पहले चरण में पंजीकरण नहीं करने पर मिड एंट्री का विकल्प मिलेगा।
- मिड एंट्री के लिए अतिरिक्त शुल्क भुगतान करना होगा।
- प्रमाणपत्र व अन्य दस्तावेजों को अपडेट और वैध रखें।
- सीटें खाली रहने पर विवि प्रवेश के स्पॉट राउंड की घोषणा कर सकता है।
- पहले दौर में सभी कॉलेजों में प्रोग्रामों के लिए अतिरिक्त सीटों का आवंटन किया जाएगा, लेकिन यह आवंटन उन कॉलेजों में होगा जहां सीटें खाली रहती हैं।

दाखिले के लिए बनाये सहायता केन्द्र

डीयू दाखिला शाखा ने छात्रों को दाखिले में सहायता के लिए नौ टेलीफोन हेल्पलाइन, ईमेल सुविधा और चैटबॉट सुविधा स्थापित की है। इसी तरह स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग ने भी दो एडमिशन हेल्प सेंटर स्थापित किए हैं जो 22 जून 2025 से एसओएल के फॉर्म भरने में उम्मीदवारों की सहायता के लिए काम करेंगे। सभी प्रामाणिक सूचनाओं, घोषणाओं और प्रोग्रामों के लिए उम्मीदवारों को केवल दिल्ली विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को ही देखना चाहिए। छात्र केवल डीयू की वेबसाइट www.du.ac.in और दाखिला वेबसाइट www.admission.uod.ac.in को ही देखें।

स्नातक, पीजी, पांच वर्षीय लॉ, बीटेक और पीएचडी के साथ एसओएल के दाखिलों का विवरण जारी किया

डीयू में नए सत्र के लिए पंजीकरण शुरू

मिशन एडमिशन

पीजी में 82 प्रोग्रामों के लिए 50 हज़ार छात्रों ने आवेदन दिया

आवेदन शुल्क में बदलाव नहीं

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता | डीयू ने शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए अपनीदाखिला नीतिमंगलवार को जारी की। डीयू के कुलपति प्रो. योगेश सिंह सहित अन्य अधिकारियों ने स्नातक, स्नातकोत्तर, पांच वर्षीय लॉ, बीटेक और पीएचडी के साथ एसओएल के दाखिलों का विवरण जारी किया ।

कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि इस वर्ष से डीयू में दो नए पीजी कोर्स एमए' इन टूरिज्म मैनेजमेंट' भी शुरू किए हैं। उन्होंने बताया कि इस वर्ष स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में भी सिंगल गर्ल चाइल्ड के लिए अतिरिक्त कोटा जोड़ा गया है। प्रत्येक पीजी प्रोग्राम में सिंगल गर्ल चाइल्ड के लिए एक सीट आरक्षित की गई है। एनसीडब्ल्यूईबी में दाखिले जल्द ही शुरू होंगे ।

कुलपति ने कहा कि शैक्षणिक सत्र की शुरुआत एक अगस्त से होगी। कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम (सीएसएएस) पोर्टल मोबाइल पर भी कामकरताहै, लेकिनउन्होंने आवेदकों को सुझाव दिया कि लैपटॉप या कंप्यूटर पर ही काम करें, क्योंकि इन पर सभी फीचर ठीक से नजर आ सकते हैं।

यूजी में 71,624 सीटें पर दाखिला होगा: डीयू की डीन एडमिशन प्रो. हनीत गांधी ने बताया कि अभी स्नातक (यूजी) का पहला फेज लॉन्चहुआहै।सीयूईटीकेरिजल्ट जारी होने के बाद दूसरे फेज की शुरुआत की जाएगी। रेगुलर कॉलेजों में दाखिला सीयूईटी के स्कोर्स के माध्यम से किया जाएगा। डीयू 69 कॉलेजों के माध्यम से 79 स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश देगा। डीयू 186 बीए प्रोग्रामों का संयोजन पेश करता है। सभी कॉलेजों में 71,624 सीटें हैं। उन्होंने बताया कि डीयू ने अधिकांश कार्यक्रमों के लिए अपनी पात्रता शर्तों को संशोधित किया है। अधिकांश कार्यक्रमों में दोहरी पात्रता होती है,

नई दिल्ली। स्नातकोत्तर (पीजी) में इस वर्ष कुल 82 प्रोग्रामों में प्रवेश होगा। इनमें सीटों की कुल संख्या 13,432 (एनसीवेब सहित) है।

स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए पंजीकरण 16 मई से 12 जून तक चला । कुल पंजीकृत उम्मीदवारों की संख्या 53, 609 हैं। डीयू के अनूठे कार्यक्रमों के लिए कुल 57,222 पंजीकरण हुए। इनमें सबसे अधिक लोकप्रिय कार्यक्रम एलएलबी रहा, जिसमें 9, 270 पंजीकरण हुए हैं। एमए राजनीति विज्ञान में कुल पंजीकरण 4,996 हुए हैं। उन्होंने बताया कि पीजी में सिंगल गर्ल चाइल्ड कोटा के लिए प्राप्त आवेदनों की संख्या 1,131 है। अनाथ कोटा के लिए प्राप्त आवेदनों की संख्या 90 है। पहले चरण में शुरूआती दो घंटे में ही 1967 छात्रों ने विभिन्न कोर्स में सीट स्वीकार की ।

जिसमें उम्मीदवार एक भाषा के साथ तीन विषय या दो भाषाएं और दो विषय चुन सकते हैं। इनमें से सर्वश्रेष्ठ स्कोर वाले विषय चुने जाएंगे। इसी प्रकार, बीएससी (ऑनर्स) कार्यक्रमों के लिए सीयूईटी में भाषाओं में कम से कम 30 फीसदी अंक प्राप्त करने की अनिवार्यता को हटा दिया गया है । एसओएल में स्नातकोत्तर कार्यक्रमों रजिस्ट्रेशन के लिए पोर्टल शुरू हो ।

विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि इस बार भी प्रवेश प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन रहेगी और छात्रों को सीयूईटी (यूजी) 2025 के आवेदन संख्या के आधार पर ही सीएसएएस पोर्टल पर पंजीकरण करना होगा। इस बार भी डीयू ने आवेदन शुल्क में ● किसी तरह का बदलाव नहीं किया है। सामान्य वर्ग, ओबीसी नॉन क्रीमीलेयर और ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए आवेदन शुल्क 250 रुपये हैं। एससी, एसटी और पीडब्ल्यूबीडी के लिए 100 रुपए का शुल्क रखा गया है। इसके अतिरिक्त ईसीए या स्पोर्ट्स सुपरन्यूमेरेरी कोटा के लिए आवेदन करने पर 100 रुपए का अतिरिक्त शुल्क देना होगा।

प्रदर्शन / प्रायोगिक / खेल परीक्षण आधारित कार्यक्रमों के लिए आवेदन पर 400 रुपये शुल्क लगेगा।

एडमिशन शाखा ने नौ टेलीफोन हेल्पलाइन, ईमेल सुविधा (ug@admission.du.ac.in, pg@admission.du.ac.in और चैटबॉट सुविधा स्थापित की है इसी तरह, स्कूल ऑफ ओपन लर्निंगने भी दो एडमिशन हेल्प सेंटर स्थापित किए हैं जो 22 जून, से एसओएल के फॉर्म भरने में उम्मीदवारों की सहायत के लिए काम करेंगे।

अमर उजाला 19/june /2025

एसटी छात्रों को मिलेगी कौशल प्रशिक्षण व सीयूईटी की जानकारी

दिल्ली विश्वविद्यालय ने अनुसूचित जनजातियों के छात्रों के लिए जय हिंद योजना का किया शुभारंभ

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय में अनुसूचित जनजातियों के छात्रों को अब कौशल प्रशिक्षण व सीयूईटी की जानकारी मिलेगी। डीयू ने इसके लिए जनजातीय इमर्सिव होलिस्टिक इंटरवेंशन फॉर नोवल डेवलपमेंट (जयहिंद) नामक योजना' की शुरुआत की है।

बुधवार को डीयू के वाइस रीगल लॉज में इस योजना का शुभारंभ किया गया। यह योजना पहली बार 17 से दो सप्ताह के लिए लागू की गई है। इसमें मणिपुर के उखरूल जिले के चार सरकारी स्कूलों के 25 छात्रों (12 लड़कियां और 13 लड़कों) का चयन योग्यता के आधार पर किया गया है। ये सभी छात्र तांगखुल नागा जनजाति के हैं, जो एक अनुसूचित जनजाति है। इस अवसर पर शिक्षा मंत्रालय सचिव डॉ विनीत जोशी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे ।

उन्होंने कहा कि यह डीयू के साथ-साथ दिल्ली को भी जानने का मौका है, इसका छात्रों को लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि अनुसूचित जनजातियों के ये छात्र डीयू से बहुत कुछ नया सीखकर जाएंगे, जो इनके जीवन में बहुत काम आएगा। उन्होंने बताया कि देश के सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों में प्रवेश सीयूईटी के माध्यम से होता है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री विद्यालक्ष्मी योजना का उद्देश्य मेधावी छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना है।

आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थी इस योजना के माध्यम से बिना किसी वित्तीय बाधा के उच्च शिक्षा प्राप्त करने में सक्षम हो सकते हैं। कुलपति प्रो योगेश सिंह ने बताया कि जयहिंद योजना का उद्देश्य अनुसूचित जनजातियों, विशेष रूप से दूरदराज के क्षेत्रों से संबंधित स्कूली छात्रों (नौवीं से बारहवीं) कक्षा तक के छात्रों को कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना है, जिससे वह स्थायी आजीविका हासिल करने की क्षमता प्राप्त कर सकें।

उन्होंने बताया कि इन छात्रों को कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) के विषय में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। 17 से 29 जून तक छात्रों को कौशल प्रशिक्षण और सीयूईटी ओरिएंटेशन दिया जाएगा। डीयू की डीन अकादमिक प्रो के रत्नाबली ने जयहिंद योजना के बारे में बताया कि छात्रों के लिए प्रशिक्षित किए जाने वाले कौशल का चयन स्थानीय संदर्भ में उनकी प्रासंगिकत को ध्यान में रखते हुए किया गया है

अमर उजाला 19/june /2025

डीयू : स्नातक में दाखिला लेने के लिए छात्रों की मदद करेगा वेबिनार

दाखिले के पहले चरण के तहत वेबिनार 26 जून को आयोजित किया जाएगा

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2025-26 में स्नातक (यूजी) कोर्सेज में दाखिला लेने के लिए कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम पोर्टल पर पहला राउंड (पंजीकरण प्रक्रिया) शुरू हो चुका है। पंजीकरण प्रक्रिया को लेकर अभी अंतिम तिथि जारी नहीं की गई है।

सीयूईटी रिजल्ट जारी होने के बाद दूसरा राउंड शुरू होगा। ऐसे में छात्रों के पंजीकरण और दाखिले को लेकर काफी सवाल है। छात्र 'वेबिनार के माध्यम से जान सकेंगे कि कैसे दाखिला लें। इसके लिए डीयू वेबिनार की श्रृंखला आयोजित करने जा रहा है। इसमें पहला वेबिनार 26 जून को ऑनलाइन आयोजित किया जाएगा।

डीयू दाखिला डीन प्रो हनीत गांधी के अनुसार इन वेबिनार में छात्रों को स्नातक कोर्सेज की दाखिला प्रक्रिया के संबंध में जानकारी मिलेगी। चूंकि डीयू सीयूईटी से दाखिले करता है और इस बार कुछ कोर्सेज की पात्रता में बदलाव हुआ है।

कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम पोर्टल पर पहला राउंड शुरू हो चुका है

सीयूईटी के संबंध में पूरी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इसके दाखिले से जुड़े अलग-अलग पहलुओं पर वेबिनार आयोजित किए जाएंगे।

छात्र इनमें विशेषज्ञों से अपने सवालों के जवाब भी प्राप्त कर सकेंगे। इनमें उन्हें दाखिला संबंधी जानकारी, फॉर्म भरने के तरीके, किन बातों का ध्यान रखना है, इसके संबंध में जानकारी मिलेगी। स्पोर्ट्स व ईसीए कोटा, एससी, एसटी, ओबीसी व अन्य कोटे के छात्रों के लिए वेबिनार आयोजित होंगे। डीयू ने ऐसे ही वेबिनार कॉलेज स्तर पर भी आयोजित करने को कहा है।

स्नातक कोर्सेज के लिए 24 घंटे में 46,366 ने किया पंजीकरण

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2025-26 में स्नातक कोर्सेज में दाखिले के लिए मंगलवार को शुरू हुई पंजीकरण प्रक्रिया के तहत करीब चौबीस घंटे में 46,366 छात्रों ने पंजीकरण करना शुरू कर दिया है। अभी इन छात्रों ने कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम (सीएसएएस) पोर्टल पर साइन अप और प्रोफाइल बनाई है, पंजीकरण शुल्क का भुगतान नहीं किया।

बीते साल चौबीस घंटे में 35 हजार से अधिक पंजीकरण हुए थे। डीयू दाखिला डीन प्रो. हनीत गांधी ने कहा कि मंगलवार को ही प्रक्रिया शुरू हुई है। यह प्रक्रिया धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ेगी। ऐसे में जल्द ही पंजीकरण - आवेदन का आंकड़ा बढ़ जाएगा। जब तक छात्र पंजीकरण शुल्क का भुगतान नहीं कर देते तब तक पंजीकरण पूरा नहीं माना जाता है। ब्यूरो

पीजी प्रोग्राम के लिए एक दिन में 7586 ने सीट को स्वीकार किया

शैक्षणिक सत्र 2025-26 में स्नातकोत्तर (पीजी), तीन बीटेक प्रोग्राम में दाखिले के लिए मंगलवार, से सीटों का आवंटन शुरू हो चुका है। पहले राउंड के तहत पीजी प्रोग्राम की करीब 13,500 सीटों के लिए 11,314 सीटें आवंटित की गई थी। इसमें से बुधवार शाम तक 7586 छात्रों ने अपनी सीट को स्वीकार कर लिया। जबकि बीटेक की 360 सीटों के लिए 134 छात्रों ने सीट को स्वीकारा है। स्नातकोत्तर प्रोग्राम व बीटेक प्रोग्राम में दाखिले के लिए 20 जून शाम 4:59 मिनट तक सीट को स्वीकार किया जा सकता है। उसके बाद 21 जून तक कॉलेज विभाग आवेदन का सत्यापन कर उसे मंजूरी देंगे। जिसके बाद फीस का भुगतान 22 जून शाम 4:59 मिनट तक किया जा सकेगा।

अमर उजाला 19/june /2025

डीयू : दक्षिणी परिसर के निदेशक प्रो. प्रकाश सिंह गढ़वाल यूनिवर्सिटी के कुलपति नियुक्त

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. श्रीप्रकाश सिंह को राष्ट्रपति द्वारा हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय गढ़वाल (उत्तराखंड) का कुलपति नियुक्त किया गया है। प्रो. सिंह वर्तमान में डीयू के दक्षिणी परिसर के निदेशक प्रो प्रकाश सिंह । का पदभार संभाल रहे हैं। उनकी नियुक्ति पर डीयू कुलपति प्रो. योगेश सिंह, डीन ऑफ कॉलेजेज प्रो. बलराम पाणी, रजिस्ट्रार डॉ विकास गुप्ता और कल्चर काउंसिल चेयरपर्सन अनूप लाठर ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का आभार व्यक्त किया है। प्रो. श्रीप्रकाश सिंह ने एमए, एमफिल और पीएचडी की शिक्षा डीयू से ही प्राप्त की है। दिसंबर 2021 से वह डीयू के दक्षिणी परिसर के निदेशक पद पर कार्य कर रहे हैं। वह डीयू के राजनीति विज्ञान विभाग में प्रोफेसर हैं ।

2014 से 2015 तक वह डॉ. अंबेडकर चेयर इन सोशल जस्टिस, भारतीय लोक प्रशासन संस्थान नई दिल्ली के चेयर प्रोफेसर तक रहे। वहीं, 1995 से 2014 तक डीयू के श्री अरबिंदो कॉलेज में राजनीति विज्ञान विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर रहे हैं। वर्तमान में वह डीयू के हिंदू अध्ययन केंद्र और जनजातीय अध्ययन केंद्रों की गवर्निंग बोर्ड के अध्यक्ष भी हैं। ब्यूरो

No Fee Waiver For DU Asst Prof Applicants

Relief For SC, ST, Disabled, Women Aspirants Removed

Sugandha Jha
@timesofindia.com

DU has increased the application fee across categories, with aspirants in the unreserved category the earlier Rs 500. The fee for OBC and EWS now required to pay Rs 2,000, a fourfold jump from applicants has tripled from Rs 500 to Rs 1,500 while SC/ST candidates will now be charged Rs 1,000. Persons with benchmark disabilities will pay Rs 500

New Delhi: Delhi University has withdrawn the application fee waiver for SC, ST, disabled and female candidates apply: ing for the post of assistant professor-a move that marks a policy shift and has drawn sharp criticism of sections of the academic community. The university has also increased the application fee across categories, with aspirants in the unreserved (UR) category now required to pay Rs 2,000, a four- fold jump from the earlier Rs 500. The fee for OBC and EWS applicants has tripled from Rs. 500 to Rs 1,500 while SC/ST can- didates, who previously paid nothing, will now be charged Rs 1,000. Persons with bench- mark disabilities (PwBD) will be required to pay Rs 500.

Teachers have termed the fee hike "unjustified" and cal- led on Delhi University Tea- chers' Association (DUTA) and the Academic and Executive Council members to intervene and push for a rollback.

The recruitment circular is- sued by Daulat Ram College da- ted June 10 inviting applica- tions for the post of assistant professor listed the revised app- lication fees and said submis- sions without the requisite fee would be rejected. "Fees once paid will not be refunded under any circumstances," the circu- lar also said.

While DU departments ad- vertise their own faculty va- cancies centrally, individual colleges are allowed to issue advertisements separately, though they are governed by university rules. "We have fol- lowed the same format as the university Nothing special in it," Daulat Ram College princi- pal Savita Roy told TOI. When Vikas Gupta denied that the university contacted, DU registrar had withdrawn any fee waiver. However, he did not re- spond to a follow-up question on the circular issued by Dau- lat Ram College which men- tions the revised fees.

A recruitment advertisement issued by DU as recently as Feb and accessible on its website confirmed the fee wai- ver policy for the select catego- ries: "Rs 500 for UR/OBC/ EWS categories. No applica- tion fee will be charged from tegories and women appli- applicants of SC, ST, PwBD ca- cants. Fees once paid will not be refunded under any circumstances."

The move has drawn flak from several faculty members. A teacher posted on DUTA's so- cial media handle, "Earlier the fee was Rs 500 for UR and OBC categories, and zero for SC, ST and female candidates. DUTA, AC/EC members and the university administration must take note of this and ensure the hike is rolled back. There should be mo- re than just symbolic let- ters-actual performance and pressure are needed from DUTA. Several unresolved is- sues like past service count and PhD increments are still pending. Now another issue has been added to the list. Is it fair to burden applicants like this?."

Mithuraaj Dhusiya, me ber, DU Executive Council, lin- ked the hike to the university nancial liabilities under the Hig her Education Financing Agen- cy (HEFA). "Ever since DU was pushed into debt through HET loans, we have seen a pattern of fee hikes-from admissions to exams," she wrote. "No grants, only loans - that's become the mantra of both the Central Go- vernment and DU administra- tion. The latest hike in assistant professor application fees is part of this debt trap Forced finan al crises always begin with most vulnerable. We stro condemn this."

Megh Raj, general secre Congress, similarly criticised ry Indian National Teach the hike. "This 400% fee hike but all unemployed applicants. affects not just ad hoc teac Earlier, candidates above a cer- interviews. Now only 40 are tain API score were called for called for the first post and 10 or 20 for the rest, forcing crys dates to reapply The highe will make it unaffordab for many We urge the adu stration to withdraw this sion immediately"

As UG admissions kick off, DU plans webinars for guiding aspirants

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: The first round of registration for admis- sion to undergraduate cour- ses at Delhi University for he the 2025-26 academic ses- sion has commenced on Common Seat Allocation System (CSAS) portal. Once CUET exam results are announced, the second phase of the admission process will begin. With many stu- dents seeking clarity on registration and admissions, DU has planned a series of webinars to guide appli- cants through the process. The first webinar will be held online on June 26.

According to DU officials, students will be given detailed information about the undergraduate admission process through these webinars. Since this year's CUET results may bring so- me changes in the eligibility criteria for admission, the webinars will help clarify these changes for the students. They will also provide information on how to se- cure admission based on CUET scores and eligibility requirements.

"We want to ensure that every student is well-informed and confident while navigating the admission process. Through these webinars, applicants will get step-by-step guidance on every step, including registration, eligibility, CUET score-based admissions, and seat allocation," a DU official said.

Students will receive comprehensive information about the process, and additional webinars will be held on different topics related to admission. The webinars aim to answer students' questions regarding admission rules, procedures, choice filling, and seat allocation. Students will al- so be guided on how to keep track of information related to admission through the university's official email, dashboard, SMS, and other accounts.

Separate webinars will also be organised at the college level to assist students further and ensure they ha ve all the necessary information for a smooth admission process.

46,366 candidates have registered for undergraduate admissions in DU, so far. In the postgraduate category, 11,314 allocations were made in the first round, of which 7,586 were accepted so far. For BTech courses, 134 candidates accepted the ir offers. Additionally, the minimum allocation scores for all postgraduate pro grammes across all colleges were uploaded on the ad mission website.

अमर उजाला 20/june /2025

सभी कॉलेज कॉलेज देख सकेंगे देख सकेंगे छात्रों के दस्तावेज"

कॉलेज बदलने पर विद्यार्थियों को दोबारा दस्तावेज अपलोड करने की नहीं पड़ेगी जरूरत

रश्मि शर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में स्नातक कोर्सेज में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। डीयू ने दाखिला प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए दाखिला पोर्टल को छात्र हितैषी बनाया है।

डीयू के सभी कॉलेजों को इस बार छात्रों के दस्तावेज देखने का अवसर मिलेगा। इससे न केवल छात्रों को सहूलियत होगी बल्कि कॉलेजों को भी छात्रों को बार-बार दस्तावेज अपलोड करने के लिए नहीं कहना पड़ेगा। मालूम हो कि डीयू के 69 कॉलेज व विभागों में स्नातक प्रोग्राम में दाखिला होता है। इसके साथ ही सभी कॉलेज प्रिंसिपल को उनके डैशबोर्ड पर अलर्ट मिलते रहेंगे, इससे उन्हें पता चलेगा कि कितने दाखिले लंबित हैं, कितने आवंटन किए गए हैं। इससे उन्हें दाखिला शाखा से जानकारी लेने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। डीयू दाखिला डीन प्रो हनीत गांधी ने बताया कि इस बार जब छात्र एक बार अपने दस्तावेज अपलोड कर देगा तो सभी कॉलेज उन्हें देख सकेंगे। यदि कोई कॉलेज किसी दस्तावेज को लेकर कोई प्रश्न उठांता है और उसे उसमें संशोधन करने के लिए कहता है तब भी उसकी जानकारी सभी प्रिंसिपल को मिलेगी।

पोर्टल को इस तरह से तैयार किया गया है कि सभी कॉलेज के प्रिंसिपल को जानकारी मिल सके। यदि किसी दूसरे कॉलेज में सीट आवंटित हो जाती है तो एक बार दस्तावेज अपलोड करने पर उसे दोबारा दस्तावेज अपलोड नहीं करने होंगे। इससे छात्रों को भी आसानी होगी और कॉलेजों को भी। अब तक यदि एक कॉलेज से दूसरे कॉलेज में छात्र दाखिला लेता था तो वहां उसे. अलग से ऑनलाइन दस्तावेज अपलोड करने होते थे। प्रो गांधी ने बताया कि इस बार पोर्टल को प्रिंसिपल हितैषी भी बनाया गया है। प्रिंसिपल को इस बार समय-समय पर ई-मेल के माध्यम से अलर्ट मिलते रहेंगे। इससे उन्हें पता चलता रहेगा कि उनके यहां पर दाखिले की स्थिति क्या है, कितने दाखिले लंबित हैं, कितनों को मंजूरी मिल चुकी है. और कितने दाखिले हो चुके हैं।

एबीवीपी ने यूजी-पीजी दाखिले के लिए जारी किए हेल्पलाइन नंबर

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातक व स्नातकोत्तर प्रोग्राम में कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेस टेस्ट (सीयूईटी) के माध्यम से दाखिला लेने वाले छात्रों की सहायता के लिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। इन नंबरों के माध्यम से उन्हें तकनीकी और प्रक्रियागत परेशानियों का जवाब मिल सकेगा। एबीवीपी द्वारा जारी किए गए हेल्पलाइन नंबरों में स्नातक कोर्सेज के लिए 8595625995, 7011907899, 7011202614, और 6202127557 नंबर शामिल हैं। जबकि स्नातकोत्तर कोर्सेज के लिए 9667874087 और 9599869361 नंबर उपलब्ध कराए गए हैं। इन नंबरों पर फोन करके छात्र प्रतिदिन अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त कर सकते हैं। परिषद के अनुभवी कार्यकर्ता छात्रों को कॉलेज चयन, दस्तावेज सत्यापन, कोर्स विकल्पों, आवेदन प्रक्रिया आदि से जुड़ी हर समस्या का समाधान करेंगे। एबीवीपी दिल्ली के प्रदेश मंत्री सार्थक शर्मा ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय में दाखिले को लेकर विद्यार्थियों के मन में कई आशंकाएं होती हैं, जिनका समाधान समय पर मिलना आवश्यक है। ब्यूरो

अमर उजाला 20/june /2025

इम्प्लॉयमेंट आउटकम में दिल्ली विवि ने पाया विश्व में 30वां स्थान

कुलपति ने कहा- डीयू की बढ़ती अकादमिक उत्कृष्टता को दिखाता है ओवरआल स्कोर में हुआ सुधार

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय ने क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में अपना मजबूत वैश्विक स्थान बनाए रखा है। डीयू ने इम्प्लॉयमेंट आउटकम में बीते साल के मुकाबले 14 स्थान से ऊपर चढ़कर दुनिया में 30वें स्थान पर पहुंच गया है। साथ ही भारत के संस्थानों में इस श्रेणी में डीयू पहले स्थान पर है जबकि ओवरऑल 7वें स्थान पर है। वैश्विक रैंकिंग में डीयू की रैंक 328 रही है।

डीयू के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि हमने इस रैंकिंग में उल्लेखनीय प्रगति की है। ओवरआल स्कोर में डीयू 2025 के 33.8 से बढ़कर 2026 में 42.6 तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि इस रैंकिंग में वैश्विक स्तर पर 8,467 संस्थानों का मूल्यांकन किया गया है, जिसमें शीर्ष 1,501 विश्वविद्यालयों के परिणाम प्रकाशित हुए हैं।

क्यूएस रैंकिंग: भारतीय संस्थानों में भी इम्प्लॉयमेंट आउटकम में पहले स्थान पर रहा डीयू

प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों में डीयू की प्रगति (2025 से 2026)

इम्प्लॉयमेंट आउटकम : 2025 में 44 से 2026 में 30 तक सुधार अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान नेटवर्क : 406 से 294 तक

क्यूएस 2026 प्रदर्शन हाइलाइट्स)

वैश्विक रैंक: 328 (2025 से बरकरार)

ओवरआल स्कोर : 42.6 (33.8 से ऊपर 2025 से 26 फीसदी सुधार)

भारतीय विश्वविद्यालयों में पहला स्थान

टॉप पब्लिक यूनिवर्सिटीज़ के रूप में बरकरार

अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान नेटवर्क 294वां स्थान

स्थिरता : 297वां स्थान. आईपीयू ने क्यूएस वर्ल्ड

भारतीय संस्थानों में डीयू की स्थिति

ओवरऑल में 7वां स्थान बनाए रखा इम्प्लॉयमेंट आउटकम में पहला स्थान

स्थिरता में 6वां स्थान बनाए रखा

अंतरराष्ट्रीय रिसर्च नेटवर्क में दूसरा स्थान (एक स्थान ऊपर हुआ)

- शैक्षणिक प्रतिष्ठा में 6वां स्थान

शैक्षणिक प्रतिष्ठा 248वां स्थान

पोर्टल को इस तरह से तैयार किया गया है कि सभी कॉलेज के प्रिंसिपल को जानकारी मिल सके। यदि किसी दूसरे कॉलेज में सीट आवंटित हो जाती है तो एक बार दस्तावेज अपलोड करने पर उसे दोबारा दस्तावेज अपलोड नहीं करने होंगे। इससे छात्रों को भी आसानी होगी और कॉलेजों को भी। अब तक यदि एक कॉलेज से दूसरे कॉलेज में छात्र दाखिला लेता था तो वहां उसे. अलग से ऑनलाइन दस्तावेज अपलोड करने होते थे। प्रो गांधी ने बताया कि इस बार पोर्टल को प्रिंसिपल हितैषी भी बनाया गया है। प्रिंसिपल को इस बार समय-समय पर ई-मेल के माध्यम से अलर्ट मिलते रहेंगे। इससे उन्हें पता चलता रहेगा कि उनके यहां पर दाखिले की स्थिति क्या है, कितने दाखिले लंबित हैं, कितनों को मंजूरी मिल चुकी है. और कितने दाखिले हो चुके हैं।

हिंदुस्तान 30/june /2025

डीयू के कॉलेजों में छात्र बढ़े पर संसाधन नहीं

अनदेखी

बार-बार लिखने के बाद भी समाधान नहीं : डूटा 'तैयारी के लिए कहा था '

नईदिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय में पिछले दो दशक में जिस दर से छात्रों की संख्या में वृद्धि हुई है, उस हिसाब से कॉलेजों में संसाधनों को नहीं बढ़ाया गया है।

अधिकांश कॉलेजों छात्रों को व्यवस्थित बैठाना, कक्षाओं का सुचारू रूप से संचालन, शिक्षकों की उपलब्धता और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना चुनौती है । चार वर्ष के स्नातक की पढ़ाई कराने के लिए कुछ कॉलेजों के प्रिंसिपल अतिरिक्त तैयारियां कर रहे हैं तो कई में संसाधन का अभाव जस का तस है । ज्ञात हो कि डीयू में प्रति वर्ष 70 हजार से अधिक छात्र स्नातक में दाखिला लेते हैं। राजधानी कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो. दर्शन कुमार पांडेय ने बताया कि हमारे यहां 10 नए पोर्टा केबिन कक्ष बनाए जा रहे हैं। कक्षाएं सुचारू रूप से चलें, इसके लिए मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम, कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम और सामान्य वैकल्पिक पाठ्यक्रम के प्रश्नपत्र में अतिरिक्त विकल्प सीमित करने पर भी विचार किया जा रहा है ।

दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रो. एके भागी का कहना है कि बिना संसाधन, इंफ्रास्ट्रक्चर के चौथे वर्ष में छात्रों को पढ़ाना मुश्किल है। पहले ही तीन वर्ष की प्रक्रिया में शिक्षक और संसाधन कम पड़ जा रहे थे। हमने बार बार यूजीसी को इस बारे में लिखा है कि हमें संसाधन चाहिए। स्टाफ एसोसिएशन से भी राय मांगी है। दिल्ली विश्वविद्यालय प्रिंसिपल एसोसिएशन से भी जल्द ही हमारी बैठक होने वाली है। डीयू से मिलने का समय मांगा है। यदि कॉलेजों के पास, लैब, कमरे, शिक्षक नहीं होंगे तो वह कैसे छात्रों को पढ़ाएंगे।

डीयू के एक अधिकारी का कहना है कि जब डीयू में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू हुई तभी सभी कॉलेजों से यह कहा गया था कि चौथे वर्ष में प्रवेश लेने वाले छात्रों के लिए संसाधन का इंतजाम करना है। अब जब चौथे वर्ष की कक्षाएं नए सत्र में शुरू होने वाली हैं तो इस तरह की बात ही सामने नहीं आनी चाहिए।

रामानुजन कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो. रसाल सिंह का कहना है कि हम कॉलेज का समय बढ़ाकर और सप्ताहांत में कक्षाएं लगाकर समय-सारिणी को पुनर्नियोजित कर रहे हैं। अतिरिक्त वर्कलोड के लिए अतिथि शिक्षक नियुक्त करेंगे। इमारत के निर्माणाधीन खंड को हैंडओवर करने के लिए राइट्स पर दबाव बना रहे हैं, लेकिन ये तैयारियां अपर्याप्त हैं।